NCERT SOLUTIONS

CLASS - 9th

aglasem.com

Class : 9th

Subject : Hindi

Chapter : 7

Chapter Name : पद

Q1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः-

1. पहले पद में भगवान और भक्त की जिन-जिन चीजों से तुलना की गई है, उनका उल्लेख कीजिए।

2. पहले पद की प्रत्येक पंक्ति के अंत में तुकांत शब्दों के प्रयोग से नाद-सौंदर्य आ गया है, जैसे-पानी, समांनी आदि। इस पद में से अन्य तुकांत शब्द छांटकर लिखिए।

3. पहले पद में कुछ शब्द अर्थ की दृष्टि से परस्पर संबध हैं। ऐसे शब्दों को छांटकर लिखिए-

4. दूसरे पद में कवि ने 'गरीब निवाजु' किसे कहा है? स्पष्ट कीजिए।

5. दूसरे पद की 'जाकी छोति जगत कउ लागै ता पर तुहीं डरै' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

6. 'रैदास' ने अपने स्वामी को किन-किन नामों से पुकारा है?

7. निम्नलिखित शब्दों के प्रचलित रूप लिखिए-

मोरा,चंद,बाती,जोति, बरै,राति,छत्रु,धरै,छोति, तुहीं,गुसईआ

Answer 1. पहले पद में भगवान और भक्त की तुलना कई चीजों से की गई है,जैसे चंदन-पानी, धन-वन-मोर, चन्द्र-चकोर, दीपक-बाती, मोती-धागा, सोना-सुहागा आदि।

2. अन्य तुकांत शब्द जो पहले पद में आए हैं - पानी-समानी, मोर-चकोर, बाती-राती, धागा-सुहागा, दासा-रैदासा।

3. दीपक - बाती, मोती - धागा, स्वामी-दासा, चन्द्र-चकोर, चंदन-पानी आदि।

4. दूसरे पद में कवि ने 'गरीब निवाजु' ईश्वर अर्थात् भगवान को कहा हैं। ईश्वर को 'गरीब निवाजु' कहने का कारण यह है कि वे निम्न जाति के भक्तों को भी समभाव स्थान देते हैं, अर्थात् समान भाव से देखते

हैं। गरीबों की तकलीफ कम करके उनका उद्धार करते हैं, उन्हें उनका सम्मान दिलाते हैं, सबके कष्ट हरते हैं और भवसागर से पार कराते हैं।

5. 'जाकी छोति जगत कउ लागै' का अर्थ है जिसकी छूत संसार के लोगों को लगती है, और 'ता पर तुही ढरै' का अर्थ है, उन पर तू ही दयाल् होता है। पूरी लाइन पंक्ति का अर्थ है यह समाज गरीब और निम्नवर्ग के लोगों को सम्मान नहीं देता। हमेशा उनसे दूर रहता हैं, परंतु ईश्वर कभी कोई भेदभाव न करके हमेशा उन पर बराबर दया करते हैं, उनकी सहायता कर उनके दुःख तकलीफ और पीडा को हरते हैं।

6. 'रैदास' ने अपने स्वामी को गुसईया, गरीब, निवाजु, लाल, गोविंद, हरि, प्रभु आदि नामों से पुकारा है।

7. मोरा-मेरा

चंद-चाँद

बाती-बत्ती

जोति-ज्योति

बरै-जले

राति-रात

छत्रु-छत्र

धरै-धारण

छोति-छुआछूत

तुहीं- तुम ही

गुसईआ-गोसाई

Page : 75 , Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः-

Q1 नीचे लिखी पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए-

1 जाकी अँग-अँग बास समानी

aglasem.com

2 जैसे चितवत चंद चकोरा

3 जाकी जोति बरै दिन राती

4 ऐसी लाल तुझ बिनु कउनु करै

5 नीचहु ऊच करै मेरा गोबिंदु काहू ते न डरै।

Answer. 1. इस पंक्ति से कवि यह कहना चाहते है कि जिस प्रकार चंदन पानी में घुलकर हर जगह को सुगंधित कर देता है, उसी प्रकार जब एक भक्त भक्ति में लीं हो जाता है तो तन-मन से भगवान की भक्ति की खुशबु आती है।

2. चकोर पक्षी हर रात चांद को निहारता है पर उस तक पहुंच नहीं पाता उसी प्रकार भक्त भी भगवान का प्यार पाने के लिए तरसता रहता है परन्तु प्रयास नहीं छोड़ता ।

3. इन पंक्ति में कवि स्वयं को एक ऐसे दिये के समान समझता है, जो चाहे दिन हो या रात जलता ही रहता है अर्थात हर समय इश्वर कि भक्ति में डूबा रहता है ।

4. इस पंक्ति में यह दर्शाया है कि भगवान किसी में भेदभाव नहीं करते। भले ही मनुष्य ऊँच-नीच करता है। परंतु ईश्वर की नजरों में सबका सम्मान एक समान होता है।

5. इन पंक्तियों में ईश्वर के सामर्थ्य का वर्णन है। उनकी कृपा हो जाने से छोटे से छोटा मनुष्य बड़ा बन सकता है। भले आप किसी भी निम्न जाति में जन्म ले परंतु उनकी कृपा होने पर आपकों उच्च जाति जैसी इज़्ज़त प्राप्त होती है।

Page : 75 , Block Name : प्रश्न-अभ्यास

Q2 रैदास के इन पदों का केन्द्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए।

Answer. पहले पद से यह प्रतीत होता है कि कवि और ईश्वर अभिन्न अंग है। दोनों एक दूसरे से ऐसे घुले मिले है कि उन्हें अलग नहीं किया जा सकता। दूसरे पद में वह अपने भगवान को सर्वगुण सम्पन्न बताते है। उनकी नजरों में सब समान है एवं वह गरीबों की रक्षा करते है। वह किसी को भी उच्च बना सकते है।

aglasem.com

Page : 75 , Block Name : प्रश्न-अभ्यास

Q1 भक्त कवी कबीर, गुरु नानक, नाम देव और मीरा बाई कि रचनाओं का संकलन कीजिए ।

Answer. छात्र स्वयं करें ।

Page : 76 , Block Name : योग्यता विस्तार

Q2 पाठ में आए दोनों पदों को याद कीजिए और कक्षा में गाकर सुनाईए।

Answer. छात्र स्वयं करें ।

Page : 76 , Block Name : योग्यता विस्तार

aglasem.com